प्राचार्य

विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज,
कानपुर–208002
Grade "A" Accredited By NAAC
दूरभाष: कार्या0:0512-2562613
Website :www.vssdcollege.ac.in
e-mail:prin_vssd@rediffmail.com
info@vssdcollege.ac.in

संस्कृत–विभाग
स्नातकोत्तर–स्तर (एम.ए.)

1 Programme Outcome-

'राष्ट्रीय–शिक्षा नीति'–2020 के अनुसार एम.ए.–संस्कृत (प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ–सेमेस्टर तक) के पाठ्यक्रम का परिणाम–

1 विद्यार्थियों को लेखन, वाचन और अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
2 सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत प्रवीणता को प्राप्त करके विद्यार्थियों में प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
3 विद्यार्थियों में आत्मविश्वास उत्पन्न होगा और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा।
4 विद्यार्थी नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से सबल होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक स्तर पर भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
5 विद्यार्थी विषय–विशेषज्ञता को प्राप्त करके सम्बन्धित विषय–क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे।

2 Programme Specific Outcome

एम0ए0 संस्कृत (प्रथम–सेमेस्टर से चतुर्थ–सेमेस्टर)

'राष्ट्रीय–शिक्षा–नीति'–2020 में स्नातकोत्तर–स्तर पर संस्कृत–विभाग में निम्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं–

1. वेद, निरुक्त एवं प्रातिशाख्य
2. संस्कृत–व्याकरण एवं निबन्ध
3. काव्य एवं नाटक
4. भारतीय दर्शन
5. काव्यशास्त्र–1
6. संस्कृत–व्याकरण एवं भाषाविज्ञान
7. भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान–विज्ञान–परम्परा
   (आर्ष–काव्य, धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र, पर्यावरण–विज्ञान एवं वैदिक साहित्य)
8. लघु–शोध–परियोजना
9. काव्यशास्त्र–02
10. संस्कृत–व्याकरण
11. साहित्यालोक
12. रूपकालोक
13. नाटक एवं नाट्य–साहित्य
14. आधुनिक संस्कृत–काव्य
15. महाकाव्य सौरभम्

Principal
V.S.S.D. College
KANPUR

प्राचार्य

विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज,
कानपुर–208002
Grade "A" Accredited By NAAC
दूरभाष: कार्या0:0512-2562613
Website :www.vssdcollege.ac.in
e-mail:prin_vssd@rediffmail.com
info@vssdcollege.ac.in

16. लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास
17. लघु–शोध–परियोजना

विद्यार्थी वैदिक वाङ्मय की मूलभूत अवधारणाओं की एक बुनियादी समझ के साथ वेदों को बहुमूल्य प्राचीन धरोहर के रूप में समझ सकेंगे। महर्षि पाणिनि की व्याकरण संरचना एवं ज्ञान से परिचित होंगे। विद्यार्थी काव्य और नाटक के प्रमुख घटक रस, अलंकार, गुण, रीति, कथावस्तु, अभिनेता तथा रस आदि घटकों से परिचित होंगे। आस्तिक दर्शन में सांख्य, वेदान्त और न्याय के आधारभूत सिद्धान्तों को समझ सकेंगे। विद्यार्थी व्याकरण के साथ भाषाविज्ञान का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विद्यार्थी भारत की प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे। इसके साथ ही भूगोल, ज्योतिष, औषधि–शास्त्र, तर्कशास्त्र, धनुर्विद्या और शिल्पविद्या आदि का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। रामायण और महाभारत के अध्ययन के द्वारा राम और कृष्ण के चरित्र को जान सकेंगे। वैदिक ऋषियों के पर्यावरण–बुद्धिकरण के दृष्टिकरण से परिचित हो सकेंगे। योग–दर्शन के द्वारा अष्टांग–योग को जान सकेंगे। वेदान्त का गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करके अद्वैत–दर्शन से परिचित हो सकेंगे। महाकाव्यों के अध्ययन के द्वारा साहित्य के अनुपम सौन्दर्य और उनमें निहित ज्ञान से परिचित हो सकेंगे। आधुनिक कवियों और उनकी रचनाओं से भी परिचित हो सकेंगे।

6 Course Outcome-

एम.ए.–संस्कृत के उपर्युक्त पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी 'भारतीय प्रशासनिक सेवा' 'प्रान्तीय प्रशासनिक सेवा' और 'भाषा अधिकारी' बन सकते हैं। वे 'जूनियर शिक्षक', 'टी.जी.टी.', 'पी.जी.टी.' तथा 'उच्च–शिक्षा–संस्थान' में शिक्षक नियुक्त हो सकते हैं। ज्योतिष, कर्मकाण्ड तथा नित्यनैमित्तिक अनुष्ठानों द्वारा जीविकोपार्जन भी कर सकते हैं। शोध–परियोजनाओं से सम्बन्धित अनुसन्धान द्वारा विद्यार्थियों में विश्लेषण करने की क्षमता और तार्किक क्षमता का विकास होगा।

Principal
V.S.S.D. College
KANPUR

प्राचार्य

विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज,
कानपुर–208002
Grade "A" Accredited By NAAC
दूरभाष: कार्या०:0512-2562613
Website :www.vssdcollege.ac.in
e-mail:prin_vssd@rediffmail.com
info@vssdcollege.ac.in

संस्कृत–विभाग

शोध–कार्य (पी–एच.डी.)–संस्कृत

1 Programme Outcome-

संस्कृत–विभाग सन् 1928 ई. से पी–एच.डी. शोध–कार्य का निर्देशन कर रहा है। विभाग से शताधिक शोधार्थी पी–एच.डी. की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। इनमें से अधिकांश विभिन्न क्षेत्रों में सेवारत रहे हैं। वर्तमान में विभाग के चारों प्राध्यापक शोध–निर्देशक हैं। विगत 15 वर्षों में विभाग से 22 शोधार्थियों ने पी–एच.डी. की उपाधि सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर से प्राप्त की है। वर्तमान में 10 शोधार्थी पी–एच.डी. शोध–कार्य के लिए पंजीकृत हैं। विभाग के सभी शोधार्थी कुशलतापूर्वक अपने शोध–कार्य में निरत हैं।

2 Programme Specific Outcome-

विभाग के शोध–निर्देशकों द्वारा निर्देशित शोध का विषय–क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है, यथा–वेद, पुराण, महाभारत, रामायण, भारतीय दर्शन, गृह्यसूत्र, साहित्य और साहित्यशास्त्र, स्मृतियाँ, भाषाविज्ञान, सौन्दर्यशास्त्र, कला, प्राकृत–सट्टक और प्राकृत–भाषाएँ आदि। इन विषयों पर पी–एच.डी. शोध–कार्य हो चुके हैं, ये विषय आज भी प्रासंगिक हैं और इनसे संस्कृत–जगत लाभान्वित हो रहा है।

3. Course Outcome-

'राष्ट्रीय–शिक्षा–नीति–2020' ने अन्तर्विषयक–शोध' को प्रोत्साहित किया है। इससे प्रेरणा लेकर संस्कृत–विभाग में एक शोधार्थिनी ने "प्राचीन कृषि–विज्ञान का विश्लेषण : संस्कृत–भाषा में विरचित ग्रन्थों के आलोक में, विषय पर शोध–कार्य हेतु रूपरेखा बनाई है। इससे संस्कृत के साथ कृषि–विज्ञान के विद्यार्थी भी लाभान्वित होंगे।

अनेक शोधार्थी यू.जी.सी.–नेट/जे.आर.एफ. की परीक्षा में उत्तीर्ण हैं। विभाग के पूर्व शोधार्थी अनेक महाविद्यालयों में शिक्षण–कार्य कर रहे हैं।

Principal
V.S.S.D. College
KANPUR